बीम टैक्नोलॉजी और प्रयोगों के बारे में जानकारी दी

• यूपीईएस ने 7वीं इंटरनेशल कॉन्फ्रेंस का किया आयोजन

भास्कर समाचार सेवा

इंटरनेशल कॉन्फ्रेंस के दौरान यूपीईएस व विभिन्न देशों के पदाधिकारी।

देहरादून। मल्टीडिसीप्लीनरी यूनीवर्सिटी यूपीईएस ने इंटर यूनीवर्सिटी एक्सलरेटर सेंटर के साथ मिलकर 7वीं इंटरनेशल कॉन्फ्रेंस ऑन नैनोस्ट्रक्चरिंग बाय आयन बीम्स का आयोजन किया है। यह सम्मेलन नैनोटैक्नोलॉजी के क्षेत्र में एडवांस रिसर्च पर केंद्रित विचार-विमर्श को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस क्षेत्र के जाने-माने वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों को भी एकजुट करेगा।

आईसीएनआईबी 2023 का एजेंडा काफी विस्तृत है जिसमें आयन बीम्स की ओर से नैनोस्ट्रक्चरिंग के क्षेत्र में गहन विचार-विमर्श शामिल है। साथ ही इसमें नैनोमैटिरियल डेवलपमेंट एंड मोडिफिकेशन में एनर्जेटिक आयन्स की महत्वपूर्ण भूमिकाओं को भी टटोला गया और इस क्षेत्र की मौजूदा चुनौतियों के बारे में इनोवेटिव समाधान भी सुझाए गए। आयन बीम-इंड्यूस्ड नैनोस्ट्रक्चरिंग समेत अन्य कई विषयों पर चर्चा की गई।

ईसीएनआईबी में भाग लेने वाले वक्ताओं में अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड तथा भारत से प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया जिनमें प्रोफे पैट्रिक क्लूथ (आस्ट्रेलियन नेशनल यूनीवर्सिटी), प्रोफे शु सेकी (क्योटो यूनीवर्सटी), डॉ मुकेश रंजन (आईपीआर अहमदाबाद) तथा डॉ पेंग (सर्रे आयन बीम लैबोरेट्री) शामिल थे जिन्होंने बीम टैक्नोलॉजी और उसके अनेक क्षेत्रों में प्रयोगों के बारे में जानकारी दी। साथ ही, इस सम्मेलन ने पीएचडी छात्रों को भी अपने शोधकार्यों को प्रदर्शित करने का अवसर दिया और इससे युवा रिसर्च स्कॉलर्स में इनोवेशन और परस्पर सहयोग की भावना को बल मिला है।